मैं दावे के साथ कहता हूं कि ऐसी यात्रा से हजारों लोगो को घोड़े वाले, टेंट वाले और होटल चलाने वालों को रोजगार मिलता है । यह सिर्फ किसी संप्रदाय की बात नहीं है बल्कि कश्मीरियत की बात है, कोंसरनाग के सुंदर स्थल को देखने की बात है। वहां की सरकार कहती है कि टूरिस्ट जा सकता है, लेकिन यात्रा नहीं जा सकती ।

सर, इस यात्रा के रोके जाने से समाज के लोगों के सेंटिमेंट्स हर्ट हुए हैं । मैं वहां की सरकार से निवेदन करता हूं कि आज समय आया है जब इस यात्रा के कारण लोगों में सदभाव बढ़ेगा और वहां के लोग मिल जुलकर इस यात्रा को कम्प्लीट करेंगे । इसलिए वह इन बातों को बढ़ावा देने के साथ-साथ कश्मीर और कश्मीरियत के लिए काम करे । इस यात्रा को बंद करने की जरूरत नहीं है ।

श्री नारायण लाल पंचरिया (राजस्थान): महोदय, मैं इस मेंशन से स्वंय सम्बद्ध करता हूं ।

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): सर, मैं इस जीरो ऑवर मेंशन से स्वंय को सम्बद्ध करता हूं ।

SHRI V.P. SINGH BADNORE (Rajasthan): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI GUNDU SUDHARANI (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री अनिल माधव दवे (मध्य प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य के मेंशन से एसोसिएट करता हूं ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Ritabrata Banerjee.

Centenary of Komagatamaru - An integral and inseparable event in Indian struggle for freedom

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Mr. Deputy Chairman, Sir, 2014 marks the centenary of the epic voyage of Komagatamaru. It was on July 23, 1914 that Komagatamaru, which was anchored at the Vancouver Harbour since May 23, 1914, was forced to return when the Canadian authorities refused to allow the passengers to land and subjected them to inhuman harassment and repression for eight weeks. This is an event enshrined in golden letters in the long struggle of Indian people against the British colonial yoke.

Sir, our leader, Shri Sitaram Yechury, had been to Canada to attend this programme, the Centenary of Komagatamaru and the Ghadar Party. The Ghadar revolutionaries in our country played a glorious role for our independence. It was in 1915 that the Ghadar Party gave a slogan of independence, even eight years before it was done in the Ahmedabad Session of the Congress, where two Communist Leaders, Maulana Hasrat Mohani and Swami Kumaranand, raised the issue of independence.

During this period of time, another very epoch-making incident, world-changing incident, the Revolution in Russia in 1917, took place. This Revolution in Russia

[Shri Ritabrata Banerjee]

helped these revolutionaries. In Moscow, Lenin had established the University of the Toilers of the East. Revolutionaries from India went there to study and came back. Although the Ghadar Party mainly consisted of people from Punjab, there were people from Andhra Pradesh, there were people from Maharashtra, and, Mr. Rash Behari Bose was also there from Bengal and others, who formed the Ghadar Party.

Sir, I want to mention here that the Ghadar Party played a very significant role. Sir, forty-six revolutionaries were hanged and 64 were sent to Andamans, crossing the Kala Paani.

शहीदे आज़म भगत सिंह अपनी जेब में हर समय करतार सिंह सराभा की तस्वीर रखते थे । जब उनकी शहादत हुई, तब भी करतार सिंह सराभा की तस्वीर उनके साथ थी । हिंदुस्तान के आम आदमी पर गदर पार्टी का ऐसा असर हुआ था।

And, more importantly, when Netaji Subhash Chandra Bose also formed his force for fighting against the British, the Ghadar Revolutionaires had an impact on that. Mr. Rash Behari Bose, who was one of the founders of the Ghadar Movement played a role, while he was in exile in Japan, in its creation, and, in the royal Indian Navy, when it went on to Mutiny, Flag of the Communist Party and the Muslim League and Congress flew together. On that incident also, the Ghadar Party had an impact.

When the ship came back to Budge Budge, the British police fired, 27th September was the date, and, Sir, 18 people were killed. Here, I demand for a memorial to mark the centenary of Ghadar revolution. सर, हमें ऐसे देशभक्त लोगों के संघर्ष की विरासत को बरकरार रखना है क्योंकि इन लोगों का हिंदुस्तान के लिए एक पैगाम था कि—

"हम ने भी देखे हैं, तारीख साज़िये,
हम ने भी सख्त वक्त का दौर आजमाया है,
हमसे क्या भिड़ेंगी ये ताकतें,
हम तो बिजली का नामों-निशां मिटाएंगे।"

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): मैं इस मेंशन से एसोसिएट करती हूं ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एसोसिएट करती हूं ।

श्री मो. नदीमुल हक (पश्चिमी बंगाल): सर, मैं श्री बनर्जी के मेंशन से एसोसिएट करता हूं ।

† **شری ندیم الحق (مغربی بنگال) :** سر، میں شری بنرجی کے مینشن سے ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔

†Transliteration in Urdu Secipt..

श्री प्यारीमोहन महापात्र (ओडिशा): सर, मैं श्री बनर्जी के मेंशन से एसोसिएट करता हूं ।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (तेलंगाना): सर, मैं श्री बनर्जी के मेंशन से स्वंय को एसोसिएट करता हूं ।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SATISH CHANDRA MISRA (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.C. TYAGI (Bihar): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names to be added to the list.

Serious problem of flood in eastern Bihar due to release of water from dam in Nepal

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): डिप्टी चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से एक अंत्यत महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय की ओर सरकार का और सदन का, ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । कोसी नदी का उद्गम स्थल नेपाल है और नेपाल में यह जो कोसी नदी का उद्गम स्थल है, वहां पर लैंड स्लाइड्स की वजह से एक बड़ी झील सी बन गई है, जिसमें लगभग 27 लाख क्यूबेक टन पानी इकट्ठा हो गया है। मान्यवर, वह अब एक झील नहीं रह गई है, वह एक तरह से वाटर बम हो गई है और जरा सी भी ज्यादा बारिश हुई, तो उसके पानी से नीचे बिहार के नौ जिले पूरी तरह तबाही और बरबादी की तरफ बढ़ जाएंगे । एक तरीके से पूरे पूर्वांचल के लिए यह एक वाटर बम की तरह से नेपाल में है । सौभाग्य है कि गत दो-तीन दिनों से बारिश नहीं हुई है और जो एक नार्मल पैसेज है उसके थ्रू पानी निकालने की कोशिश की जा रही है। वहां जल स्थिर है, लेकिन अगर जरा सी भी बारिश हो गई या जरा भी स्थिति में फर्क हुआ, तो जैसे पहले यह सुचना आई थी कि वे उस बांध को उड़ा देंगे, जिससे वे नेपाल को बचा सकें । उसको बचाने के लिए पूरे बिहार को कुर्बान और तबाह किया जा रहा है । वहां से कुछ लोगों को आपने हटाया है, लेकिन मैं समझता हूँ कि वह पर्याप्त नहीं है । आपके माध्यम से मैं केंद्र सरकार से यही जानना चाहता हूँ कि इस आने वाली विभिषिका से बचने के लिए आप क्या साधन दे रहे हैं, क्या रास्ते दे रहे हैं?